सुविचार

जीवन छोटा और खूबसूरत है, इसलिए छोटी-छोटी बातों में खुशियां ढूंढें।

दैनिक

पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 38 | पंचकूला। रविवार, 15 मार्च 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

बंगाल में महाजंगलराज लाने वालों का शुरू हो चुका है काउंटडाउन : पीएम मोदी

कोलकाता, 14 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बंगाल की मौजूदा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला और राज्य में बदलाव का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में बंगाल की मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल में महाजंगलराज लाने वालों का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। राज्य में बदलाव की मांग अब हर जगह दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा, फ़बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिखा जा चुका है और बंगाल के लोगों के दिलों में भी छप चुका है। अब बंगाल से निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा और महाजंगलराज का खात्मा होगा। इसलिए बंगाल के हर कोने से आवाज उठ रही है, चाई भाजपा सरकार, अबकी बार। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि रैली को रोकने के लिए राज्य सरकार ने हरसंभव कोशिश की।

228 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल से पूछताछ

नई दिल्ली, 14 मार्च। देश की प्रमुख जांच एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 228 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से शनिवार को दूसरे दिन फिर से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में उनसे सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक, यानी करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई। यह पूछताछ रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से जुड़े 228 करोड़ रुपए के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में की गई है। इस मामले में कंपनी के पूर्व सीईओ और पूर्व पूर्णकालिक निदेशक रवींद्र सुधालकर सहित कई अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। मामले में जय अनमोल अंबानी भी आरोपियों में शामिल हैं। हालांकि इस संबंध में कंपनी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सीबीआई ने बीते दिन शुक्रवार को भी अनिल अंबानी के बेटे से पूछताछ की थी। जांच एजेंसी के अनुसार, जय अनमोल अंबानी से दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय में पूछताछ की गई। अधिकारियों ने बताया कि उनसे मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से सवाल किए गए।

आईडीएफसी बैंक घोटाला : सावन ज्वेलर्स के मालिक राजन कटोदिया और विक्रम वाधवा गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। चंडीगढ़ नगर निगम में स्मार्ट सिटी फंड से जुड़े लगभग 116.84 करोड़ रुपए के घोटाले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने विक्रम वाधवा को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि उसकी तलाश हरियाणा पुलिस भी कर रही थी। वहां भी उसके खिलाफ 590 करोड़ के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले में नाम है।

हरियाणा पुलिस भी आरोपी वाधवा की तलाश कर रही थी, लेकिन उससे पहले चंडीगढ़ पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अब आरोपी से पूछताछ में खुलासा होगा कि चंडीगढ़ के कौन-कौन से अफसर आरोपी के साथ मिलीभगत में थे, जिनके कारण वह इतनी बड़ी करोड़ों की ठगी को अंजाम दे सका।

पुलिस की जांच में सामने आए दस्तावेजों के अनुसार निगम का सरकारी पैसा केवल फर्जी एफडी के जरिए ही नहीं हड़पा गया, बल्कि उसे ओपन मार्केट में बिल्डरों, होटलियर्स और ज्वैलर्स को मोटे ब्याज पर इस्तेमाल करने के लिए भी दिया गया।

मामले में चंडीगढ़ आर्थिक अपराध शाखा द्वारा नगर निगम में आउटसोर्स पर रखे गए अकाउंटेंट अनुभव मिश्रा और आईडीएफसी सेक्टर-32 के पूर्व मैनेजर रिभव ऋषि के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आईडीएफसी बैंक घोटाले मामले में राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ष्ट्क्र) ने कार्रवाई करते हुए आज सावन ज्वेलर्स के मालिक राजन कटोदिया को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पाया गया कि ढाई सौ करोड़ रुपये से अधिक की राशि सावन ज्वेलर्स के द्वारा रिभव रिषी, अभय कुमार, अभिषेक सिंगला, स्वाति सिंगला व अन्य आरोपियों की विभिन्न कंपनियों/फर्मों से प्राप्त की गई । इन कंपनियों/फर्मों में पैसा सरकारी खातों से गैर कानूनी तरीके से ट्रांसफर किए गए थे। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि सावन ज्वेलर्स के मालिक राजन के द्वारा मुख्य आरोपियों के लिए कैश कन्वर्जन का काम किया गया व इसके लिए भारी कमीशन प्राप्त किया। आरोपी के द्वारा इन फर्मों/कंपनियों के नाम सोने के आइटम्स बेचे हुए दिखाए गए। आरोपी राजन ने इस मामले में धोखाधड़ी की शुरुआत से ही षडयंत्र रचने में अहम भूमिका निभाई तथा पूर्व योजना के तहत् अपराध को अंजाम देने में सक्रिय योगदान दिया। इस मामले में यह 12वीं गिरफ्तारी है। आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद कल न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी, ताकि इस पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका का खुलासा हो सके। जांच में यह भी सामने आया है कि सावन ज्वेलर्स को अनधिकृत तरीके से पैसा Cap Co Fintech Services, SRR Planning Gurus Pvt. Ltd. और Swastik Desh Project इत्यादि से प्राप्त हुआ हैं।

2027 में भाजपा पंजाब में सरकार बनाएगी : गृह मंत्री अमित शाह

पंचकूला ऑब्जर्वर

मोगा। गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब में 2027 का चुनावी बिगुल फूंक दिया है। मोगा में बदलाव रैली में पहुंचे गृह मंत्री ने केसरी रंग की पगड़ी पहनी। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह पगड़ी देश पर गुरुघर के कर्ज का प्रतीक है। शाह ने यह भी कहा कि 2027 में भाजपा पंजाब में सरकार बनाएगी। शाह के बयान से स्पष्ट हो गया कि अकाली दल से गठबंधन के अभी कोई आसार नहीं हैं। शाह ने वादा किया कि बीजेपी की सरकार बनी तो 2 साल में ही नशे को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। शाह ने ये भी कहा कि पंजाब में कॉमेडी करने वाला सीएम नहीं बल्कि काम करने वाला मुख्यमंत्री चाहिए।

शाह ने पंजाब सीएम भगवंत मान को आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का एटीएम बताया। उन्होंने कहा कि अगर बंटवारे के वक्त भाजपा की सरकार होती तो करतारपुर साहिब पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में होता। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू को शाह ने अपना अजीज दोस्त बताया। रैली में पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ और कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा भी प्रमुखता से मौजूद रहे।

मोगा में बदलाव रैली में पहुंचे गृह मंत्री ने केसरी रंग की पगड़ी पहनी

गुरु तेग बहादुर न होते तो देश में कोई हिंदू न होता

गृहमंत्री ने कहा कि जो मेरे सिर पर जो पगड़ी दिख रही है, वह पूरे भारत पर गुरु घर के कर्ज का प्रतीक है। अमर बलिदानी गुरु तेग बहादुर जी हिंद की चादर कहे गए। उन्होंने कश्मीरी पंडितों की रक्षा के लिए अपना जीवन कुर्बान किया। मैं कहना चाहता हूं कि अगर गुरु तेग बहादुर न होते तो देश में कोई हिंदू बचा न होता। शाह ने कहा कि 1984 के सिख दंगों के खिलाफ हमारी सरकार ने 350 केस दर्ज किए। कांग्रेस ने एक भी नेता जेल में नहीं डाला। हमने डाला। हर सिख दंगा पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपए का मुआवजा हमारी सरकार ने दिया।

आप-कांग्रेस लोगों को कर रहे गुमराह

शाह ने कहा कि आप सरकार और राहुल बाबा (राहुल गांधी) किसानों को गुमराह कर रहे हैं। केजरीवाल ने फोन किया कि जो अमेरिका से ट्रेड डील हुई है, उससे किसानों को नुकसान होगा। पंजाब के किसानों, इनकी बात न सुनना। ये झूठ बोलते हैं। डब्ल्यूटीओ में 2013 में एमएसपी न दिया जाए, ऐसा करार वे करके आए। भगवान भला करे देश की जनता का कि 2014 में इन्हें निकाल दिया।

दो साल में नशा जड़ से उखाड़ देंगे

शाह ने कहा कि आप में नशे का कारोबर खत्म करने की दमखम नहीं है। कांग्रेस और अकाली पहले भी थे। यह केवल बीजेपी ही रोक सकती है। हमने कहा था कि धारा-370 हटा देंगे, हटा दिया। देश को नक्सल मुक्त कर दिया। आप फरवरी में हमें आशीर्वाद दे दीजिए, दो साल में हम मूल समेत नशे के कारोबार को उखाड़कर फेंक देंगे।

दिल्ली आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और सिसोदिया ने जमा किए 50,000 के जमानत बांड

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली14 मार्च। दिल्ली की चर्चित आबकारी नीति से जुड़े मामले में बड़ी राहत मिलने के बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अदालत में 50-50 हजार रुपए के जमानत बांड जमा किए। यह प्रक्रिया अदालत के आदेश के बाद पूरी की गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को इस मामले में फैसला सुनाते हुए कुल 23 आरोपियों को बरी कर दिया था।

अदालत ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध नहीं होते, इसलिए सभी आरोपियों को दोषमुक्त किया जाता है। इस फैसले के बाद केजरीवाल और सिसोदिया सहित अन्य आरोपियों को बड़ी कानूनी राहत मिली। हालांकि किसी भी आपराधिक मामले में अदालत की ओर से बरी किए जाने के बाद भी एक कानूनी औपचारिकता के तहत जमानत बांड जमा करना आवश्यक होता है। इसी प्रक्रिया के तहत दोनों नेताओं ने 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके (जमानत बांड) अदालत में जमा किए। बता दें कि केजरीवाल और सिसोदिया को महीनों जेल में रहने के बाद बरी कर दिया गया था। कोर्ट से बरी होने पर आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन ने भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। अरविंद केजरीवाल का आरोप था कि दिल्ली में सरकार बनाने के लिए भाजपा ने उनके खिलाफ साजिश रची थी। वहीं सीबीआई ने राऊज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिसके बाद 11 मार्च को अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को एक अर्जी दी है, जिसमें उन्होंने दिल्ली आबकारी नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की पुनर्विचार याचिका को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच से दूसरी बेंच में ट्रांसफर करने की मांग की है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को एक पत्र लिखकर दिल्ली आबकारी नीति (एक्साइज पॉलिसी) मामले की सुनवाई किसी दूसरी बेंच को सौंपने की मांग की है।

केजरीवाल ने कहा कि जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच से इस मामले को हटाकर किसी अन्य बेंच को दिया जाए। सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने अदालत में कहा कि ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियां ईडी की चल रही जांच को प्रभावित कर सकती हैं, जो प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत चल रही है।

जीवन में सच्चे मित्र का बहुत बड़ा महत्व : साध्वी

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। माता मनसा देवी मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कथा वाचक साध्वी शक्तिपुरी जी महाराज ने कहा कि जीवन में सच्चे मित्र का बहुत बड़ा महत्व होता है। मित्र ही सुख-दुख में साथ खड़ा रहता है और सही मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि भक्ति से भी श्रेष्ठ प्रेम है, क्योंकि सच्चा प्रेम ही व्यक्ति को ईश्वर से जोड़ता है।

कथा के दौरान उन्होंने धर्म, नीति और शास्त्रों के ज्ञान का महत्व भी बताया और कहा कि इनका पालन करने से ही मनुष्य का जीवन सफल बनता है। इस अवसर पर भाजपा उपाध्यक्ष बंतो कटारिया और प्रदेश भाजपा प्रवक्ता रंजीता मेहता बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। कार्यक्रम में पिंकी दनोदा, राम अवतार, विमला देवी (सेक्टर-21 पंचकूला), अनिल बामला, विजयलक्ष्मी, जेपी शर्मा और ओम्पति मनीमाजरा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर बलभद्र गोयल, विजयपाल नामदेव (एडवोकेट), निर्देष नैन, रमेश (सिंचाई विभाग, पंचकूला), सुनीता देवी, नागेश अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, बलविंदर सिंह दुराला, दर्शन सिंह, फतेह सिंह, जसप्रीत सिंह, विक्रम, कर्मवीर, जगदीश गर्ग (चेयरमैन, मनसा देवी सेवक दल), प्रमिला, जमना देवी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भाजपा एक विचार, एक दृष्टिकोण और एक सतत आंदोलन

- प्रशिक्षण महाअभियान में भाजपा की विचारधारा पर मंथन

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। भारतीय जनता पार्टी की ओर से माता मनसा देवी, बरवाला, चंडी मंडल में चल रहे 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026' के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पंचकूला के पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल रहे।

अपने संबोधन में कुलभूषण गोयल ने संगठनात्मक मजबूती, पार्टी की विचारधारा, कार्यपद्धति तथा जनसेवा के मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार, एक दृष्टिकोण और एक सतत आंदोलन है। भाजपा का उद्देश्य भारत का पुनर्निर्माण कर उसे सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा क्षणिक राजनीतिक लाभ पर आधारित नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय एकात्मता और आधुनिक प्रगतिशील दृष्टिकोण पर आधारित है। भाजपा के सिद्धांत हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति में निहित हैं और आधुनिकता, विज्ञान, तकनीक तथा लोकतंत्र के साथ सामंजस्य स्थापित करते हैं। कुलभूषण गोयल ने कहा कि भाजपा यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सभी नागरिकों को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय मिले। समान अवसर और धार्मिक विश्वास की स्वतंत्रता केवल संवैधानिक प्रावधान नहीं, बल्कि जीवन के मूल मूल्य हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य ऐसे लोकतांत्रिक राज्य की स्थापना करना है, जिसमें जाति, संप्रदाय या लिंग के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव न हो और सभी नागरिकों को राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक न्याय के साथ अवसर तथा धार्मिक विश्वास एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि पार्टी विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांतों के प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखती है तथा भारत की प्रभुसत्ता, एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष विशाल सेठ, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, पार्टी नेता रंजीता मेहता, संजय आहूजा, वैभव मनचंदा, युवराज कौशिक, परमजीत कौर, संघमित्रा सिवाच सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राहत की बात : एलपीजी ला रहे दो भारतीय जहाजों ने होर्मुज किया पार

पंचकूला ऑब्जर्वर

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के शनिवार को 15 दिन हो गए हैं। खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे भारत के दो जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट पार कर गए हैं। ईरान ने एक दिन पहले इन जहाजों को गुजरने की अनुमति दी थी और अब ये भारत के पश्चिमी तट की ओर बढ़ रहे हैं। शिपिंग जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा के मुताबिक भारतीय झंडे वाले एलपीजी कैरियर शिवालिक और नंदा देवी ने शनिवार होर्मुज स्ट्रेट पार किया। दोनों जहाज कुल 92,700 टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों जहाज गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाह की ओर जा रहे हैं और इनके अगले 2-3 दिनों में भारत पहुंचने की संभावना है। ये दोनों जहाज उन 24 जहाजों में शामिल थे, जो मिडिल-ईस्ट में जंग शुरू होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिमी हिस्से में फंस गए थे। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने शुक्रवार को कहा था कि ईरान ने कई भारतीय जहाजों को इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति दी है, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कुल कितने जहाजों को अनुमति दी गई।

स्वस्च्छता का संदेश | **संयुक्त आयुक्त ने वेंडर्स को बांटी यूटिलिटी किट, अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष वाहन को दिखाई झंडी**

स्ट्रीट वेंडर्स को नगर निगम की ड्रेस पहनकर करना होगा काम : गौरव चौहान

- वेंडर्स एवं नागरिकों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी
- स्वच्छता और व्यवस्था बनाए रखने का संदेश

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला द्वारा शहर के स्ट्रीट वेंडर्स के लिए यूटिलिटी किट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर निगम के संयुक्त आयुक्त श्री गौरव चौहान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर जेपी इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर श्री जयप्रकाश ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयप्रकाश ने बताया कि शहर में कुल 8 वेंडिंग जोन बनाए गए हैं, जहां बैठने वाले वेंडर्स को यूटिलिटी किट वितरित की जा रही है। इस किट में वेंडर्स को जैकेट, टोपी, हेल्थ चेकअप कार्ड, पहचान पत्र, हेयर नेट सहित कई जरूरी सामान दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही वेंडर्स को 5 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा भी प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि गलियों में घूमकर कार्य करने वाले मोबाइल वेंडर्स को मोबाइल रेहड़ी पहचान पट्टिका भी दी गई है, जिसे लगाकर चलना अनिवार्य होगा।

जयप्रकाश ने स्पष्ट किया कि केवल नगर निगम में पंजीकृत वेंडर्स को ही यह यूटिलिटी किट दी जाएगी और उन्हें नगर निगम द्वारा निर्धारित ड्रेस पहनकर ही कार्य करना होगा। यदि कोई वेंडर बिना रजिस्ट्रेशन या निर्धारित ड्रेस के काम करता पाया गया, तो नगर निगम की अतिक्रमण हटाओ टीम उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त गौरव चौहान ने कहा कि शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने मोबाइल वेंडर्स को निर्देश दिए कि वे अपना पहचान पत्र और नगर निगम द्वारा दी गई ड्रेस पहनकर ही अपने निर्धारित क्षेत्र में कार्य करें।

उन्होंने शहर के निवासियों से भी अपील की कि वे बिना पहचान वाले वेंडर्स से सामान न खरीदें और केवल नगर निगम के अधिकृत वेंडर्स से ही खरीदारी करें, क्योंकि पंजीकृत वेंडर्स का पूरा रिकॉर्ड नगर निगम के पास उपलब्ध रहता है। इस दौरान गौरव चौहान ने 9877488386 हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया। उन्होंने बताया कि कोई भी वेंडर या नागरिक किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर इस नंबर पर संपर्क कर सकता है। आम नागरिक बिना पहचान पत्र या ड्रेस के घूमने वाले स्ट्रीट वेंडर्स की जानकारी और फोटो भी इस हेल्पलाइन नंबर पर भेज सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान गौरव चौहान ने जेपी इंटरप्राइजेज की नई इंफोर्समेंट गाड़ी का भी शुभारंभ किया, जो शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में सहयोग करेगी। इस अवसर पर वेंडर्स के उत्थान में विशेष योगदान देने वाले जयवीर, मानवेंद्र, संजय कुमार, सेक्टर-4 वेंडिंग जोन के प्रधान गगन शर्मा, सेक्टर-15 के प्रधान अरविंद मेहतो, रिपू धवन, सेक्टर-8 के प्रधान राजेश गुप्ता, सुमित कुमार और सेक्टर-19 के प्रधान स्वर्ण सिंह को सम्मानित किया गया। साथ ही मुख्य अतिथि गौरव चौहान को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में जयप्रकाश ने सभी अतिथियों और उपस्थित वेंडर्स का आभार व्यक्त किया।

गृह मंत्री अमित शाह के पंजाब दौरे को लेकर बोले पंजाब के मुख्यमंत्री

लोगों को एमएसपी, किसान कर्ज माफी जैसी घोषणाओं की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी: मान

■ **कहा- मोदी सरकार ने पंजाब का आरडीएफ और जीएसटी फंड रोका हुआ है, अभी तक 1,600 करोड़ रुपये की बाढ़ राहत राशि भी जारी नहीं की**

पंचकूला ऑब्जर्वर

मोहाली 14 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया पंजाब दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य के लोगों को एमएसपी, किसान कर्ज माफी और विशेष पैकेज जैसी घोषणाओं की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें केवल निराशा ही हाथ लगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि अमित शाह पंजाब आकर केवल राज्य सरकार और पंजाबियों की आलोचना करके लौट गए। प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन के अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब के साथ लगातार भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने पंजाब का आरडीएफ और जीएसटी का बकाया फंड रोक रखा है और अब तक 1,600 करोड़ रुपये की बाढ़ राहत राशि भी जारी नहीं की गई है। मान ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा बाढ़ राहत के बड़े दावे किए गए थे, लेकिन पंजाब को उस घोषणा से एक रुपया भी नहीं मिला।

गैंगस्टरवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय समस्या है और केंद्र सरकार इसे रोकने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को गुजरात की जेल में रखा गया है और उसे पंजाब लाने की अनुमति नहीं दी जा रही। नशे की तस्करी के मुद्दे पर मुख्यमंत्री मान ने कहा कि सीमा पार से होने वाली तस्करी रोकना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन इसके बावजूद पंजाब सरकार अपने संसाधनों से सीमा पर 550 किलोमीटर क्षेत्र में एंटी-ड्रोन सिस्टम लगा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर लगभग 3,000 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

मुख्यमंत्री ने पंजाब सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने अब तक 65,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का दो करोड़ नौकरियों का वादा अभी भी अधूरा है और लोगों के खातों में 15 लाख रुपये आने का वादा भी पूरा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन को उद्योग जगत से भारी समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन ने निवेश और सहयोग के नए अवसर पैदा किए हैं और निवेशक पंजाब में व्यापारिक संभावनाओं पर आपस में चर्चा कर रहे हैं।

पंजाब में भाजपा अभी भी एक 'स्कूटर पार्टी' तक सीमित

भाजपा की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पंजाब में भाजपा अभी भी एक 'स्कूटर पार्टी' तक सीमित है और 2027 के चुनावों में सत्ता हासिल करने के सपने देख रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा के पास पंजाब में 117 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार कहां से आएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा पंजाब के लोगों की भावनाओं और समस्याओं को समझने में विफल रही है। उन्होंने याद दिलाया कि कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दौरान 700 से अधिक किसानों ने अपनी जान गंवाई थी।

पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ देश का सबसे बड़ा अभियान शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ देश का सबसे बड़ा अभियान शुरू किया है, जबकि भाजपा पंजाब को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब की धरती उपजाऊ है, लेकिन यहां धर्म और नफरत की राजनीति के बीज कभी नहीं उगेंगे।

पंजाब को 'जुमले' नहीं, जवाब चाहिए : अमन अरोड़ा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 14 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मोगा रैली से पहले, आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब प्रधान और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से आठ मुश्किल सवाल पूछे। उन्होंने पंजाब के रोके गए फंड, जीएसटी का भारी नुकसान, बाढ़ राहत, इंडस्ट्री, नशा तस्करी, रोज़गार और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों जैसे मुद्दों पर साफ जवाब मांगे।

अमन अरोड़ा ने कहा कि यह दौरा सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ पंजाबी केंद्रीय गृह मंत्री से जवाबदेही की उम्मीद कर रहे हैं और वे पंजाब की गंभीर आर्थिक और प्रशासनिक चिंताओं पर खोखले नारों या ÷जुमलों÷ के बजाय ठोस जवाब के हकदार हैं। चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आप पंजाब प्रधान और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि पंजाबियों की मेहमानों का सम्मान के साथ स्वागत करने की पुरानी परंपरा है, लेकिन इस बार पंजाब के लोग केंद्रीय गृह मंत्री से जवाबदेही की उम्मीद रखते हैं। अमन अरोड़ा ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह पंजाब की धरती पर आए हैं, हम उनका स्वागत करते हैं। लेकिन तीन करोड़ पंजाबियों की चिंता सीधी है–खोखले वादे न करें और जुमले न सुनाएं।

आप पंजाब प्रधान ने नोट किया कि दो दिन पहले उन्होंने पंजाब से जुड़े कई ज़रूरी मुद्दे उठाए थे और उम्मीद जताई थी कि भाजपा की पंजाब लीडरशिप अमित शाह के दौरे से पहले कोई जवाब देगी या कोई घोषणा करेगी। अमन अरोड़ा ने कहा कि हालांकि, पिछले दो दिनों में, भाजपा पंजाब के एक भी नेता ने इन चिंताओं पर बात नहीं की है। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि वे अमित शाह और भाजपा पंजाब नेताओं से पंजाब के लोगों द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों पर सवाल पूछें।

आप पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा के 8 सवाल

1. केंद्र ने किस कानून के तहत पंजाब के 8,300 करोड़ रुपये के आरडीएफ-एमडीएफ फंड को चार साल से रोक रखा है?
2. भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पंजाब को लगभग 60,000 करोड़ रुपये के जीएसटी नुकसान का मुआवजा कैसे देगी?
3. पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपये की बाढ़ राहत अभी तक क्यों जारी नहीं की गई?
4. भाजपा की केंद्र सरकार ने एकतरफा भारत-यूएस ट्रेड डील को क्यों स्वीकार किया है जिससे किसानों और छोटे बिजनेस को नुकसान हो रहा है?
5. पड़ोसी राज्यों में टैक्स छूट से प्रभावित पंजाब की इंडस्ट्री को केंद्र क्या राहत देगा?
6. सीमा और बंदरगाहो के ज़रिए पंजाब में नशा आने से रोकने के लिए केंद्र क्या कदम उठा रहा है?
7. केंद्र मनरेगा को खत्म करके उसकी जगह नई स्कीम क्यों ला रहा है?
8. एलपीजी संकट और बढ़ती गैस की कीमतों से निपटने के लिए केंद्र क्या कर रहा है?

निवेश पंजाब सम्मेलनः 'आइडिया टू इम्पैक्टः एक स्टार्टअप डेस्टिनेशन के रूप में पंजाब की यात्रा'

राज्य के मजबूत इकोसिस्टम और यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने पर चर्चा

पंचकूला ऑब्जर्वर

एस.ए.एस. नगर, 14 मार्च। यहां चल रहे पंजाब निवेश सम्मेलन के दूसरे दिन आज 'आइडिया टू इम्पैक्टः एक स्टार्टअप डेस्टिनेशन के रूप में पंजाब की यात्रा' विषय पर आयोजित एक बेहद रोचक सत्र के दौरान राज्य के उभरते उद्यमी माहौल को सामने लाया गया। इस सत्र ने पंजाब को नवीनता और यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स के लिए एक प्रमुख केंद्र बनाने के रणनीतिक दृष्टिकोण पर चर्चा करने के लिए उच्च सरकारी अधिकारियों, उद्योग जी को व स्टार्टअप उद्यमियों को एक मंच पर लाने का काम किया है।

बड़े पैमाने पर विकास को समर्थन देने के लिए राज्य की तैयारियों को उजागर करते हुए पंजाब विकास आयोग की चेयरपर्सन सीमा बंसल ने सत्र को मजबूत और सकारात्मक दिशा दी। उन्होंने कहा, 'पंजाब में हमारे पास व्यापार और नवाचार के लिए एक उत्कृष्ट और अत्यंत सहायक इकोसिस्टम मौजूद है। जब हम आज के सफल टेक्नोलॉजी यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स को देखते हैं, तो स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि हमारे पास ऐसे विकास को समर्थन देने के लिए सभी आवश्यक बुनियादी तत्व मौजूद हैं। अब हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि हम राज्य में यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स की स्थापना और उनके विकास के लिए इस इकोसिस्टम को किस प्रकार और अधिक सशक्त बना सकते हैं।'

इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की निदेशक सुरभि मलिक ने पंजाब सरकार द्वारा उठाए गए सक्रिय कदमों की जानकारी दी। एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने बताया कि राज्य सरकार वर्तमान में स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने और नए उद्यमों के लिए रास्ता आसान बनाने हेतु व्यापक वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहन करने की रूपरेखा दी। हीरो साइकिल और एम.बी.सी.आई.ई के एमडी एस.के. राय ने अपने संबोधन की शुरुआत उर्दू के शेर 'हंगामा शुरू करना मेरा मकसूद नहीं' से करते हुए दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने राज्य सरकार की सहायता के साथ-साथ वैकल्पिक फंडिंग के नए रास्ते विकसित करने की जोरदार वकालत की। आईआईटी रुड़की द्वारा विकसित एक सफल मॉडल का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि इसमें 24,000 से अधिक निवेशकों ने स्टार्टअप्स में प्रति निवेशक कम से कम 1,00,000 रुपये का निवेश करने के लिए प्रेरित किया का विवरण देते हुए कहा कि स्टार्टअप में निवेश करना निवेश के सबसे सुरक्षित रूपों में से एक है।

प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन: 'पुर्जों से प्लेटफॉर्म तक' विषय के तहत साइकिल और ई-बाइक्स-वैश्विक बाजारों के लिए पंजाब की अगली पीढ़ी की साइकिलें

■ **उद्योग प्रमुखों ने साइकिल और ई-बाइक सत्र में नीति समर्थन, नवीनता और निर्यात संभावनाओं को रेखांकित किया**

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 14 मार्च। 'पुर्जों से प्लेटफॉर्म तक ङ्क विश्व बाजारों के लिए पंजाब की अगली पीढ़ी की साइकिलें' विषय के अंतर्गत आयोजित 'साइकिल और ई-बाइक्स' शीर्षक वाले सत्र में पंजाब के साइकिल उद्योग की संभावनाओं और भविष्य की दिशा पर विस्तृत चर्चा की गई। इस सत्र में उद्योग क्षेत्र के प्रमुख नेताओं ने कहा कि नीति में स्थिरता, नई तकनीकों को अपनाने और मजबूत औद्योगिक इकोसिस्टम के विकास से उद्योग के अगले चरण को गति मिलेगी। इस अवसर पर एवोन साइकिल्स के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ओंकार सिंह पाहवा ने कहा कि पंजाब लगातार एक व्यवसाय-अनुकूल वातावरण तैयार कर रहा है। स्पष्ट समय-सीमाएं, डिजिटल स्वीकृति प्रणाली और सरल प्रक्रियाएं उद्यमियों को अपने लक्ष्य हासिल करने और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने में मदद कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि कम प्रक्रियात्मक बोझ, एमएसएमई के लिए विस्तारित स्व-प्रमाणीकरण और सिंगल-पॉइंट रजिस्ट्रेशन जैसी पहलें नए प्रोजेक्ट स्थापित करने की प्रक्रिया को तेज करेंगी। इससे निवेश को रोजगार, निर्यात और औद्योगिक उत्पादन में बदलने में मदद मिलेगी। ओंकार सिंह पाहवा ने बताया कि पंजाब के पास साइकिल निर्माण की मजबूत विरासत है। राज्य में 4000 से अधिक एमएसएमई निर्माता और 100 से अधिक मध्यम और बड़े साइकिल निर्माता मिलकर प्रतिवर्ष लगभग 2.2 करोड़ साइकिलों का उत्पादन करते हैं। इस उत्पादन क्षमता के कारण भारत दुनिया के प्रमुख साइकिल उत्पादक देशों में शामिल है।

उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब में साइकिल कंपोनेंट्स और कच्चे माल की व्यापक उपलब्धता है तथा विश्वस्तरीय टायर निर्माण क्षमता इस उद्योग को और मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि उद्योग अब पुर्जों पर आधारित उत्पादन से आगे बढ़कर प्लेटफॉर्म-आधारित निर्माण की ओर बढ़ रहा है। आधुनिक उपभोक्ता सुरक्षा, टिकाऊपन, आराम, बेहतर प्रदर्शन और इलेक्ट्रिक सहायक गतिशीलता जैसे पहलुओं को अधिक महत्व दे रहे हैं। ऐसे में ई-बाइक, ई-स्कूटर, फिटनेस उपकरण और प्रीमियम निर्यात-उन्मुख साइकिलों का निर्माण उद्योग के विकास का नया मार्ग बन सकता है। रालसन इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजीव पाहवा ने साइकिल उद्योग के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद शुरुआती वर्षों में लुधियाना सस्ती और सुलभ परिवहन व्यवस्था के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा। उस समय कई नियामक चुनौतियां थीं, लेकिन उद्यमशीलता और नवाचार की भावना ने इस उद्योग को आगे बढ़ाया।

उन्होंने बताया कि 1970 और 1980 के दशक में स्वदेशी तकनीक और सहायक उद्योगों के विकास से टायर और ट्यूब निर्माण क्षेत्र को मजबूती मिली, जिसकी पहचान आज घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बनी हुई है। संजीव पाहवा ने कहा कि बदलते परिवहन पैटर्न, आर्थिक समृद्धि और मोटरसाइकिलों की बढ़ती लोकप्रियता के कारण साइकिलों का मुख्य परिवहन साधन के रूप में महत्व कुछ कम हुआ है। हालांकि, साइकिलों को खेल, मनोरंजन, स्वास्थ्य और टिकाऊ शहरी परिवहन के साधन के रूप में पुनः स्थापित कर उद्योग को नई दिशा दी जा सकती है।

हार्टेक्स रबर के निदेशक वरुण सुरेका ने कहा कि पंजाब एक सहायक औद्योगिक वातावरण, मजबूत निर्माण इकोसिस्टम और सहयोगी व्यावसायिक संस्कृति प्रदान करता है, जिससे यह नए निवेश के लिए आकर्षक स्थान बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक सप्लाई चेन के पुनर्गठन से भारत के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं, खासकर तब जब यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बाजार पारंपरिक आपूर्ति स्रोतों के विकल्प तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि एकीकृत गतिशीलता प्रणालियां, उच्च सटीक इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक एकीकरण और अनुपालन आधारित निर्माण प्रणाली साइकिल उद्योग के भविष्य को परिभाषित करेंगी। इसके साथ ही मशीन क्षमता, प्रक्रिया अनुशासन और कुशल मानव संसाधन वैश्विक प्रतिस्पर्धा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पंजाब सरकार नई और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्धः बसंत

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में पंजाब में अपार संभावनाएँ हैं और यह देश की लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा मांग को पूरा करने की क्षमता रखता है। यह विचार पंजाब सरकार द्वारा राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किए जा रहे निवेश सम्मेलन के दौरान नई और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से संबंधित सत्र में हुई चर्चा के दौरान सामने आए। नई और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से संबंधित सत्र को संबोधित करते हुए ऊर्जा सचिव बसंत गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार निवेशकों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए भारत सरकार द्वारा पंजाब राज्य को सम्मानित भी किया गया है। श्री गर्ग ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य में 1000 मेगावाट क्षमता वाले नई और नवीकरणीय ऊर्जा प्लांट की स्थापना के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि पीएसपीसीएल किसानों और निवेशकों के बीच एक सेतु का काम कर रही है। उन्होंने बताया कि निवेशकों को भूमि और ग्रिड कनेक्टिविटी उपलब्ध करवाई जा रही है। श्री गर्ग ने यह भी बताया कि पंजाब सरकार द्वारा बैटरी पावर स्टोरेज के क्षेत्र में भी कार्य शुरू किया गया है। इस सत्र को संबोधित करते हुए वर्बियो के जनरल मैनेजर अशीष कुमार ने कहा कि पंजाब में हर साल लगभग 20 बिलियन टन पराली का उत्पादन होता है, जो देश की लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा मांग को पूरा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि किसानों को यह समझने की आवश्यकता है कि जब वे पराली को आग लगाते हैं तो वास्तव में वे अपने पैसे को आग लगा रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के कारण एलपीजी गैस की कमी से उत्पन्न स्थिति के चलते सीबीजी गैस की मांग काफी बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि हमें बायोगैस ग्रिड कनेक्टिविटी विकसित करने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के बशीर अहमद शिराज ने कहा कि यदि किसान बायो-एनर्जी की क्षमता को समझ लें तो उनकी जमीनें सोने की खान बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि नई और नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित बुनियादी ढांचे के साथ-साथ एक मजबूत इकोसिस्टम विकसित करने की भी जरूरत है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा लागू की गई नई व्यापारिक नीति नई और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए काफी लाभदायक है। उन्होंने यह भी कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज पंजाब में नई और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश करने की इच्छुक है। सत्र के दौरान हार्टेक इंफ्रा के सिमरनजीत सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पंजाब में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काफी सकारात्मक प्रगति हुई है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने पंजाब में रक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मजबूत संपर्क और तकनीकी इकोसिस्टम को रेखांकित किया

पंचकूला ऑब्जर्वर

मोहाली, 14 मार्च। प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन (पीपीआईएस) - 2026 के दूसरे दिन एयरोस्पेस और रक्षा विषय पर आयोजित सत्र के दौरान देश के रक्षा ढांचे को मजबूत बनाने और इसमें पंजाब की संभावित भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। पंजाब के पक्ष को मजबूती से रखते हुए संसदीय मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पंजाब के पास एक उत्कृष्ट इकोसिस्टम है जो देश के रक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए पूरी तरह सक्षम है। कैबिनेट मंत्री ने टर्बाइन बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी (टी.बी.आर.एल.) और लुधियाना स्थित सेंट्रल टूल रूम के अतिरिक्त राज्य में मौजूद 6 हवाई अड्डों का उल्लेख करते हुए इन्हें बेहतरीन तकनीकी और संपर्क सुविधाओं के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार ने हाल ही में रक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा के लिए एक रक्षा सम्मेलन भी आयोजित किया था। भारतीय वायु सेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल बी.एस. धनोआ ने रक्षा क्षेत्र में प्रमुख क्षमता वाले क्षेत्रों की पहचान कर उन्हें और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। औद्योगिक क्षेत्र की तर्ज पर रक्षा क्षेत्र में सेक्टोरल कमेटियां गठित करने की वकालत करते हुए जे.एस.डब्ल्यू. सरबलोह मोटर्स के सीईओ जसकीरत व्लादिमीर सिंह ने रक्षा निर्माण में एमएसएमई को शामिल करने के महत्व को भी रेखांकित किया। इनवेस्ट पंजाब के सीईओ अमित ढाका ने पंजाब के मजबूत विनिर्माण आधार का उल्लेख करते हुए व्यापार करने में आसानी पर बल दिया और बताया कि राज्य में 45 दिनों के भीतर सभी आवश्यक अनुमतियां प्रदान कर दी जाती हैं।

औद्योगिक विकास और पर्यावरण सुरक्षा में संतुलन के लिए नवाचार महत्वपूर्णः डॉ. बलजीत

एस.ए.एस. नगर। प्रोग्रेसिव पंजाब निवेश सम्मेलन 2026 के दौरान पंजाब सरकार ने प्लास्टिक और विशेष रसायन जैसे उभरते क्षेत्रों में सतत औद्योगिक विकास, नवाचार और वैश्विक निवेश को प्रोत्साहित करने के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को उजागर किया। सत्र को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक, सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि प्लास्टिक और रसायन उत्पाद आधुनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, घरेलू उपयोग और उद्योग सहित कई क्षेत्रों का समर्थन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों ने हाथों से होने वाली मेहनत को कम करने और दैनिक जीवन में दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. बलजीत कौर ने आगे कहा कि प्लास्टिक और रसायन क्षेत्र में बढ़ते निवेश से युवाओं के लिए बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

औजार निर्माण क्षेत्र में पंजाब की उत्पादकता, गुणवत्ता बढ़ाने और लागत घटाने पर जोरः मुंडिया

मोहाली। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास, आपदा प्रबंधन, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता, आवास तथा शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज प्लाक्षा यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन के दौरान 'दस्ती और मशीन औजार, बिजली उपकरण' विषय पर हुए सत्र में भाग लेते हुए औजार निर्माण क्षेत्र में उत्पादकता, गुणवत्ता और लागत नियंत्रण बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों, विशेषज्ञों और पैनल सदस्यों का धन्यवाद करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच की प्रशंसा की, जिन्होंने औद्योगिक विकास को नई दिशा दी है। उन्होंने संवाद का मंच उपलब्ध करवाने के लिए इस सम्मेलन का आयोजन करने वाले उद्योग विभाग की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि दस्ती औजार, मशीन औजार तथा बिजली उपकरण क्षेत्र भारत के विनिर्माण अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ है, जो ऑटोमोटिव, निर्माण तथा आधारभूत ढांचा क्षेत्रों को समर्थन देता है।

ब्रह्मपुरा ने अमित शाह की मोगा रैली को करार दिया राजनीतिक ड्रामा

पंचकूला ऑब्जर्वर

तरन तारन, 14 मार्च। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और खडूर साहिब से विधायक रविंदर सिंह ब्रह्मपुरा ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मोगा रैली को 'राजनीतिक ड्रामा' और 'चुनावी पर्यटन' करार दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विकास और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के बड़े-बड़े दावे तो करती है, लेकिन पंजाब के ज्वलंत मुद्दों पर मूकदर्शक बनी हुई है।

यहां जारी एक बयान में श्री ब्रह्मपुरा ने कहा कि यदि गृह मंत्री सार्वजनिक रूप से यह दावा कर रहे हैं कि खडूर साहिब में 18 करोड़ रुपये का पंचायत विकास निधि घोटाला हुआ है, तो केंद्र सरकार को तुरंत सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों से इसकी जांच करानी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के नेताओं के संरक्षण में पंजाब के गांवों के विकास कोष का दुरुपयोग किया गया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र को केवल राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए और असली दोषियों को सजा दिलानी चाहिए।

कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा पर चिंता जताते हुए श्री ब्रह्मपुरा ने गुरदासपुर जिले के सीमावर्ती गांव आधियां की हालिया घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वहां एक पुलिस चौकी के भीतर पंजाब पुलिस के एएसआई और एक होमगार्ड की हत्या कर दी गयी, जबकि इसी घटना के संबंध में बाहर एक निहत्थे सिख युवक की भी हत्या हुई।

उन्होंने कहा कि यह घटना सुरक्षा की गंभीर चूक को दर्शाती है।

उन्होंने सवाल किया कि इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को औपचारिक याचिका भेजकर उच्च स्तरीय केंद्रीय जांच की मांग करने के बावजूद केंद्रीय गृह मंत्रालय चुप क्यों है?

श्री ब्रह्मपुरा ने सिख मुद्दों पर भाजपा सरकार के 'दोहरे मानदंडों' की भी कड़ी आलोचना की।

उन्होंने सवाल उठाया कि अपनी सजा पूरी कर चुके सिख कैदियों (बंदी सिंहों) को रिहा क्यों नहीं किया जा रहा है, जबकि गंभीर अपराधों में दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को बार-बार पैरोल दी जा रही है।

ऐसी कार्रवाइयों से सिख समुदाय के बीच गहरी चिंता पैदा हुई है।

अकाली दल के नेता ने कहा कि आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी, तीनों ही पंजाब के हितों की रक्षा करने में विफल रही हैं।

उनके अनुसार, इन पार्टियों ने राज्य के संसाधनों और शासन को कमजोर किया है, जबकि पंजाब की जड़ों से जुड़ी क्षेत्रीय पार्टियां ही राज्य के हितों की रक्षा करने में सक्षम हैं।

चरित्र और निर्णय तय करते हैं जीवन की दिशाः सीजेआई सूर्यकांत

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि शिक्षा का सही उपयोग ही है सच्ची सफलता

- कुलपति ने दीक्षांत समारोह में मैडल व डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं एवं बधाई दी

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज़

चंडीगढ़, 14 मार्च। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रांगण में शनिवार को भव्य 12वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। वहीं पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू व आईआईटी रोपड़ के निदेशक डॉ. राजीव आहूजा समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

इनके साथ साथ न्यायमूर्ति संजय वशिष्ठ, न्यायमूर्ति एन. एस. शेखावत, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल चंद्र शेखर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नारनौल नरेंद्र सूरा, उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित जिला प्रशासन व विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी दीक्षांत समारोह में उपस्थित रहे।

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डिग्री केवल उस ज्ञान की पुष्टि करती है जो वर्षों की मेहनत से अर्जित किया गया है, लेकिन किसी भी व्यक्ति के जीवन की असली दिशा और दशा उसके चरित्र और निर्णय लेने की क्षमता तय करती है। उन्होंने कहा कि जब औपचारिक शिक्षा का ढांचा व्यक्ति के आसपास नहीं रहता, तब वही चरित्र और विवेक उसके मार्गदर्शक बनते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को अपने ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और सही निर्णय लेने की क्षमता को भी विकसित करना चाहिए।

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने कहा कि शिक्षा किसी भी व्यक्ति के लिए नए अवसरों के द्वार खोलती है। इससे उसकी क्षमताओं का विस्तार होता है, उसकी कमाई की संभावनाएँ ब?ती हैं और जीवन में आगे ब?ने के कई रास्ते उपलब्ध होते हैं। लेकिन इसके साथ ही यह भी समझना जरूरी है कि उच्च शिक्षा केवल व्यक्तिगत सफलता का साधन नहीं है, बल्कि इसके साथ समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों की इमारतों का निर्माण, प्रयोगशालाओं का संचालन और शिक्षकों का वेतन उन संसाधनों से संभव होता है जो जनता के कर से जुटाए जाते हैं। देश के लाखों ऐसे नागरिक हैं जो स्वयं विश्वविद्यालय तक नहीं पहुँच पाते, लेकिन उनके द्वारा दिए गए कर से ही उच्च शिक्षा की व्यवस्था संचालित होती है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि शिक्षित युवा समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को समझें और सार्वजनिक संस्थाओं जैसे न्यायपालिका, सिविल सेवाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय प्रशासन को मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ। यही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने हरियाणा के लोकप्रिय खेल कबड्डी का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को जीवन का महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कबड्डी में एक रेडर एक ही साँस में विरोधी पाले में प्रवेश करता है और लगातार ÷कबड्डी-कबड्डी÷ का उच्चारण करता रहता है। यह केवल खेल का नियम नहीं, बल्कि अनुशासन और आत्मनियंत्रण का प्रतीक भी है। इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सकता है, लेकिन उसे हमेशा यह समझ बनाए रखनी चाहिए कि उसकी सीमाएँ क्या हैं और कब उसे वापस लौटना है।

उन्होंने कहा कि महान रेडर वही होते हैं जो बिना अति महत्वाकांक्षा के सही समय पर निर्णय लेते हैं और सुरक्षित लौट आते हैं। वहीं डिफेंडर भी तभी सफल होते हैं जब वे एकजुट होकर टीम के रूप में काम करते हैं। इसी प्रकार जीवन में भी व्यक्ति को ब? सपने देखने चाहिए, लेकिन साथ ही विनम्रता, अनुशासन और सामूहिकता की भावना को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सफलता के साथ-साथ समाज और संस्थाओं को मजबूत बनाने का संकल्प भी लें, क्योंकि यही किसी भी शिक्षा की वास्तविक कसौटी है।

इस अवसर पर आईआईटी रोप? के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह जीवन का एक महत्वपूर्ण प?ाव होता है, जिसे विद्यार्थी जीवन भर याद रखते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी हमेशा अपने संस्थान को याद रखें और एक जिम्मेदार पूर्व छात्र (एलुमनाई) के रूप में संस्थान से जु? रहें। उन्होंने बताया कि आईआईटी जैसे संस्थानों की सफलता में उनके एलुमनाई का महत्वपूर्ण योगदान होता है। प्रो. आहूजा ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अपनी शिक्षा और ज्ञान का उपयोग सही दिशा में करें, शॉर्टकट से बचें और ईमानदारी को हमेशा बनाए रखें। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के जीवन को मेहनत और ईमानदारी का प्रेरक उदाहरण बताया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी नई तकनीकों को अपनाकर कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार करें और देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि स्टार्ट-अप शुरू करके रोजगार देने वाले बनना चाहिए। उन्होंने शोध और नवाचार को देश के विकास की कुंजी बताते हुए कहा कि भारत को एक शोध-प्रधान राष्ट्र बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरु-शिष्य परंपरा, माता-पिता और संस्थान के प्रति सम्मान बनाए रखने का आह्वान किया। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की रिपोर्ट एवं विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद देते हुए कुलपति प्रोफेसर टंकेशवर कुमार ने कहा कि कुलपति ने कहा कि आज हम सभी के लिए यह गौरव की बात है कि देश के करोड़ों युवाओं की प्रेरणा एवं मार्गदर्शक, भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत जी हमारे बीच में हैं वे देश के उस मध्यम वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने कड़े संघर्ष व मेहनत से जीवन में एक ब?ा मुकाम व कीर्तिमान हासिल किया है।

हम विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे

कुलपति ने कहा कि 21वीं सदी में हम विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। विकसित देशों की श्रेणी में जाने का रास्ता हमारे महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से होकर ही जाता है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की और से निरंतर नए प्रयास किए जा रहे हैं। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय एवं अतंरराष्ट्रीय मंचो पर हमारी रैंकिंग में जबरदस्त सुधार हुआ है। हमें वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर पर 44 वां स्थान हासिल हुआ है व हरियाणा प्रदेश के विश्वविद्यालयों में हमारी रैंकिंग प्रथम स्थान पर रही है। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग में फिजिकल साइंस, लाइफ साइंस व इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में हमारी रैकिंग अच्छी रही है।विश्वविद्यालय के शिक्षकों के 3000 से अधिक शोध पत्र स्कोपस एवं वेब ऑफ साइंस डेटा बेस पर प्रकाशित किए हैं व हमारा एच इंडेक्स 82 है। वर्ष 2025 में ही अकेले हमारे शिक्षकों ने 622 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं जो एक रिकार्ड है।

कड़वा-कड़वा थू और मीठा-मीठा गप नहीं चलेगा, देश समझ चुका हैः योगी आदित्यनाथ

- सौंगल सिद्ध बाबा मुकुटनाथ मठ में 'आठ मान का भंडारा' और शंखढाल कार्यक्रम में पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल, 14 मार्च। गांव सौंगल स्थित प्राचीन और पौराणिक सिद्ध स्थल सिद्ध बाबा मुकुटनाथ मठ में शनिवार को पूर्व महंत ब्रह्मलीन पीर गणेशनाथ जी महाराज की स्मृति में 'आठ मान का भंडारा' और शंखाढाल कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में उतर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष रूप से शिरकत की और संत-महात्माओं तथा श्रद्धालुओं को संबोधित किया। गांव सौंगल में पहुंचने पर डीसी अपराजिता ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में सौंगल स्थित बाबा मुकुटनाथ की पावन समाधि स्थली और इस पवित्र धरा को नमन करते हुए कहा कि यह आयोजन गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक है। उन्होंने पूर्व महंत पीर गणेशनाथ जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सनातन धर्म की असली पहचान जीवित रहते हुए सम्मान देना तो है ही, साथ ही भौतिक रूप से उपस्थित न होने पर भी अपने पूर्वजों और गुरुओं के प्रति अटूट कृतज्ञता बनाए रखना है। इसलिए हम अपने गुरुओं और पूर्वजों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहते हैं। उन्होंने कहा कि सनातन की ध्वज पताका हमेशा इन पूज्य संतों के सान्निध्य में ऊँची रहेगी, उसको कोई झुका नहीं सकता है, कोई ताकत झुका नहीं सकती है। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने गुरु की याद में इतना बड़ा आयोजन ही सनातन की असली पहचान है। जीते जी सम्मान देते ही हैं, जब भौतिक रूप से न रहें, तब भी कृतज्ञता का भाव और अपने गुरु व पूर्वजों के प्रति भाव बना रहे, यह सनातन में ही संभव है।

कार्यक्रम को अस्थल बोहर मठ के महंत बालकनाथ ने भी संबोधित किया और नाथ परंपराओं की जानकारी दी। उन्होंने युवा पीढ़ी को संस्कारित बनाने का आह्वान किया। आठ मान का भंडारा नाथ संप्रदाय की परंपरा से जुड़ा एक विशेष धार्मिक आयोजन है, जिसमें आठ प्रमुख मठ सोंगल, अबोहर, कोथ, रायसन, पिहोवा, उझाणा, धनौरी और हीरों कलां पंजाब से जुड़े संत-महात्मा और श्रद्धालु एकत्रित हुए। इस अवसर पर महंत लहरनाथ, महंत शेरनाथ, महंत राजनाथ, महंत हरीनाथ, महंत पूर्णनाथ, महंत जिताई नाथ, महंत कृष्ण नाथ, महंत समुंदरनाथ, महंत अर्जुन नाथ, महंत चताई नाथ, महंत कृष्ण नाथ, महंत खुशी नाथ, महंत तेजनाथ, महंत बालकनाथ कैलरम, महंत गंगानाथ, महंत मोतीनाथ, महंत भोजनाथ, महंत सोमवारनाथ, राजनाथ, सुरेंद्र नाथ सहित हजारों की संख्या में संत के अलावा आस-पास के गांवों से लोग पहुंचे थे। गांव में सिद्ध महंत मुकुटनाथ मठ की ओर से विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। डा. सुशील कुमार प्रशासनिक दृष्टि से पूरे आयोजन के नोडल अधिकारी रहे। मंच संचालन मास्टर सतबीर सौंगल और मा. नीलकंठ ने किया।

भवानीगढ़ से समाना चीका पिहोवा ढांड करनाल सडक़ को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देने की मांग

पंचकूला ऑब्जर्वर

पिहोवा, 14 मार्च। पंजाब के भवानीगढ़ जिला संगरूर से बठिंडा चंडीगढ़ हाईवे वाया सामाना चीका पिहोवा ढांड करनाल रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाकर फोरलेन करने को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय सडक़ एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है। लोगों की मांग पर यह मुद्दा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के डायरेक्टर हरपाल सिंह गिल द्वारा मुख्यमंत्री नायब सैनी के समक्ष रखा गया था ।

जिस पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने पत्र के जरिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से संबंधित विषय पर संज्ञान लेने की मांग की है। डायरेक्टर हरपाल सिंह गिल ने बताया कि लोगों ने उनके समक्ष मांग रखी थी कि पिहोवा यमुनानगर सडक़ को फोरलेन करने कीयोजना को स्वीकृति मिल चुकी है। लेकिन इसके साथ-साथ भवानीगढ़ से वाया चीका पिहोवा ढांड करनाल सडक़ को भी राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा दिया जाना बेहद आवश्यक है।

पिहोवा एक बड़ा तीर्थ स्थान है। जहां पवित्र सरस्वती नदी होने के साथ-साथ कई प्रदेशों से यात्री यहां पहुंचते हैं। विशेष तौर पर भवानीगढ़ जिला संगरूर बठिंडा से जो सडक़ चंडीगढ़ की तरफ जा रही है। उसी से बहुत से यात्री वाया सामाना, चीका होते हुए पिहोवा आते हैं। इसी तरह करनाल की तरफ से भी बड़ी संख्या में हिंदू सिख यात्री यहां स्थित गुरुद्वारा और धार्मिक स्थलों के दर्शनों के लिए आते हैं। जिन्हें बेहद कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि भवानीगढ़ से सामाना, चीका, पिहोवा, करनाल राजमार्ग सिंगल होने के चलते यहां ट्रैफिक को बेहद दिक्कत उठानी पड़ती है। मेले के समय में इस सडक़ पर दबाव बढ़ जाता है।पंजाब से हरिद्वार जाने के लिए भी लोगों को पिहोवा से होकर गुजरना पड़ता है। व्यापार की दृष्टि से भी यह सडक़ बेहद महत्वपूर्ण है। इस कार्य की पूरा होने से पंजाब हरियाणा की जनता को भाजपा की यह बड़ी सौगात होगी।

पठानिया पब्लिक स्कूल में साइकोमेट्रिक टेस्ट और करियर काउंसिलिंग प्रोग्राम का आयोजन

पंचकूला ऑब्जर्वर

रोहतक, 14 अप्रैल। पठानिया पब्लिक स्कूल, रोहतक द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा ग्यारहवीं में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ की गई। विद्यार्थियों को उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुसार सही स्ट्रीम (मेडिकल, नॉन-मेडिकल, कॉमर्स या ह्यूमैनिटीज) के चयन में मार्गदर्शन देने हेतु विद्यालय परिसर में साइकोमेट्रिक टेस्ट एवं स्ट्रीम सेलेक्शन डिस्कशन के लिए करियर काउंसिलिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस विशेष करियर असेसमेंट के दौरान विशेषज्ञ टीम द्वारा राई 'रियासैक हालैंड टेस्ट' के माध्यम से विद्यार्थियों की अभिरुचि, योग्यता एवं व्यक्तित्व का विश्लेषण किया गया तथा उन्हें विस्तृत प्रदर्शन रिपोर्ट प्रदान की गई। जिसमें 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। जब विद्यालय और अभिभावक मिलकर बच्चे के भविष्य को संवारने का संकल्प लेते हैं, तभी शिक्षा सबसे अधिक प्रभावशाली बनती है।÷ यह सत्र नई दिल्ली की प्रसिद्ध काउंसलर डॉ. श्रुति जैन (सर्टिफाइड करियर काउंसलर, एडवोकेट इंक्लूसिव एजुकेशन एंड स्किल बिल्डिंग) द्वारा संचालित किया गया, जिन्होंने बाल मनोविज्ञान, तनाव प्रबंधन तथा अभिभावकों और बच्चों के बीच सकारात्मक संवाद के महत्व पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। डॉ. श्रुति जैन ने अपने वक्तव्य में बताया कि घर का सहयोगपूर्ण और सकारात्मक वातावरण बच्चे के सर्वांगीण विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। व्यावहारिक उदाहरणों और संवादात्मक चर्चा के माध्यम से उन्होंने अभिभावकों को बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और भावनात्मक सशक्तता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

बराडा में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

दो किलो विस्टफोटक सहित 3 आरोपी काबू

पंचकूला ऑब्जर्वर

बराडा, 14 मार्च। अम्बाला स्पेशल टास्क फोर्स ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब दो किलो विस्फोटक पदार्थ बरामद कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक अम्बाला जिले के गांव कंबासी का युवक है जबकि एक अजमेर व एक मेरठ का रहने वाला बताया जा रहा है। एसटीएफ के डीएसपी अमन के मुताबिक एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि तीन युवक मोटरसाइकिल पर विस्फोटक सामग्री लेकर बराड़ा से सढ़ौरा की ओर जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही एसटीएफ की टीम ने शुक्रवार शाम करीब चार बजे बराड़ा-सढ़ौरा मार्ग पर बैरिकेडिंग कर रास्ता सील कर दिया। सुरक्षा के मद्देनजर कुछ समय के लिए सड? पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई और ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों की ओर मोड़ दिया गया। कुछ देर बाद जैसे ही संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल पर वहां पहुंचे, पहले से घात लगाए बैठी एसटीएफ टीम ने उन्हें चारों तरफ से घेरकर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से करीब दो किलो के आसपास विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने तुरंत तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार युवकों की पहचान उत्तर प्रदेश के मेरठ, अजमेर (राजस्थान) और हरियाणा के अंबाला जिले के कबांसी गांव के निवासी के रूप में हुई है। इनकी उम्र करीब 20 से 25 साल के बीच बताई जा रही है। मोटरसाइकिल चला रहे युवक की पहचान जंगबीर के रूप में हुई है। पुलिस अब मेरठ कनेक्शन समेत तीनों आरोपियों के आपसी संबंध और उनके नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है।

एसटीएफ अंबाला के अधिकारियों का कहना है कि बरामद विस्फोटक की जांच विशेषज्ञों से कराई जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह किस प्रकार का विस्फोटक है और इसकी विनाशकारी क्षमता कितनी है. साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक कहां से लाया गया और इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। डीएसपी अमन के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के मोबाइल फोन, संपर्क और पिछले रिकॉर्ड की भी पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ इस मामले में कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

वहीं बताया जा रहा है कि अम्बाला के गांव कंबासी निवासी युवक जंगबीर सिंह अपनी मां के साथ गांव में रहता है जबकि उसके पिता विदेश में हैं।

संस्कृत भाषा कौशल संवर्धन प्रशिक्षण शिविर 17 से 30 मार्च तक

कैथल। संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल एवं भारत संस्कृत परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में 17 मार्च से 30 मार्च तक संस्कृत भाषा कौशल संवर्धन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का उद्घाटन 17 मार्च को प्रातः 11:30 बजे विश्वविद्यालय के टीक परिसर में होगा। यह शिविर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेन्द्र कुमार अनायत के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा। शिविर में विश्व हिन्दू परिषद् के संस्कृत आयाम प्रमुख प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी भी उपस्थित रहेंगे। शिविर के दौरान संस्कृत वार्तालाप, शुद्ध उच्चारण, लेखन कौशल, भाषण कला, प्रस्तुतीकरण शैली तथा अध्यापन पद्धतियों से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

घर में घूसकर मां- बेटे को डंडों से चोट मारने के दो आरोपी गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

पानीपत, 14 मार्च। हलदाना चौकी पुलिस ने महावटी गांव में घर में घूसकर मां- बेटे को डंडो से चोट मारने मामलें में शुक्रवार शाम को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान महावटी निवासी आर्यन व सोनू उर्फ मैंगो के रूप में हुई है।

हलदाना चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर राणा प्रताप ने बताया कि हलदाना चौकी में महावटी गांव निवासी प्रवीन पत्नी रोहताश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 4 मार्च को गांव निवासी सोनू उर्फ मैंगो पुत्र कृष्ण, मुकेश पत्नी विनोद, इसके लड़के विनय, जतिन तथा बेदा पुत्र जयसिंह व सतपाल के लड़कों ने मिलकर उनके घर में घूसकर उसको व बेटे जतिन को डंडो व पंच से हमला कर चोट मारी। उन दोनों को हाथ व सिर पर गंभीर चोट आई है। थाना समालखा में महिला प्रवीन की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 191(3), 190, 333 के तहत अभियोग दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच व आरोपियों की धरपकड़ शुरू कर दी थी। इंचार्ज सब इस्पेक्टर राणा प्रताप ने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार शाम को आरोपी सोनू उर्फ मैंगो व आर्यन को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोट मारने की उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकारा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त दो डंडे बरामद कर शनिवार को पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उन्हें न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया।

जल महोत्सव 2026 में सुंदरपुरा की सरपंच आरती को मिला सम्मान

पंचकूला ऑब्जर्वर

नरवाना, 14 मार्च। नरवाना हरियाणा के जींद जिले के गांव सुंदरपुरा की सरपंच आरती को जल संरक्षण और जल जीवन मिशन के सफल क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा आयोजित जल महोत्सव 2026 के दौरान प्रदान किया गया। नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में सरपंच आरती को सर्टिफिकेट ऑफ रिकग्निशन देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान गांव स्तर पर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और हर घर जल मिशन को सफल बनाने में उनके योगदान के लिए दिया गया है।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक के. के. मीणा द्वारा जारी इस प्रशंसा पत्र में कहा गया है कि सरपंच आरती ने अपने गांव में जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए लोगों को पानी बचाने और स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। उनके नेतृत्व में गांव में जल जीवन मिशन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। प्रशस्ति पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि सरपंच आरती का यह प्रयास वर्तमान के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल संसाधनों को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विभाग ने उनके समर्पण और नेतृत्व की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह के प्रयास जारी रखने की उम्मीद जताई है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा जल संरक्षण और जल प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें देशभर के उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाता है। गांव की सरपंच आरती ने बताया कि दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छ जल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए गांव के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भारत के राष्ट्रपति द्वारा देशभर से उन पंचायतों और प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने स्वच्छ जल और जल प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाया जा रहा समस्त जल मिशन एक बहुत ही सराहनीय पहल है।

इस मिशन के तहत गांव में घर-घर जाकर पानी की गुणवत्ता की जांच भी की जाती है, जिससे लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। इससे गांव में कई प्रकार की बीमारियों की रोकथाम में भी सकारात्मक असर देखने को मिला है।

हरियाणा में 'भू-मित्र' व्हाट्सएेप चैटबॉट लॉन्च, भूमि व राजस्व सेवाएं होंगी 24 घंटे उपलब्ध

भूमि व राजस्व सेवाएं अब हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध

पंचकूला ऑब्जर्वर

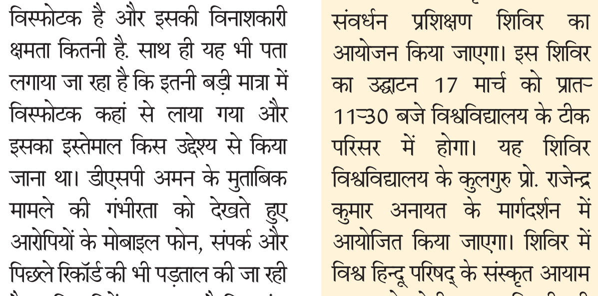

चंडीगढ़, 14 मार्च। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 'भू-मित्र' नामक व्हाट्सऐप आधारित चैटबॉट लॉन्च किया है, जो भूमि और राजस्व से संबंधित सेवाएँ लेने वाले नागरिकों को 24*7 सहायता प्रदान करेगा। हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में उपलब्ध यह चैटबॉट राज्य के हर नागरिक के लिए सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि भू-मित्र एक स्मार्ट, संवादात्मक (कन्वर्सेशनल) चैटबॉट है, जिसे सीधे व्हाट्सऐप के माध्यम से उपयोग किया जा सकता है। यह प्लेटफॉर्म पहले से ही हरियाणा के नागरिकों के बीच व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। अब नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने या जटिल पोर्टलों का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं होगी। वे अपने स्मार्टफोन पर कुछ ही क्लिक के माध्यम से घर बैठे दिन के किसी भी समय आवश्यक राजस्व सेवाएँ प्राप्त कर सकेंगे।

डॉ. मिश्रा ने आगे बताया कि भू-मित्र चैटबॉट के माध्यम से नागरिक फिलहाल चार प्रमुख राजस्व सेवाओं का लाभ ले सकते हैं भूमि स्वामित्व और खेती संबंधी रिकॉर्ड के लिए जमाबंदी की प्रति, भूमि स्वामित्व में परिवर्तन से संबंधित इंतकाल (म्यूटेशन) की प्रति, संबंधित मामलों के लिए मुआवजा पंजीकरण तथा दस्तावेज़ पंजीकरण (डीड रजिस्ट्रेशन) से संबंधित सहायता। इसके अतिरिक्त चैटबॉट के माध्यम से डीड टोकन जनरेशन, भूमि सीमांकन के लिए आवेदन, भूमि एवं राजस्व से जुड़ी शिकायत दर्ज करना, तथा शिकायत की स्थिति की रियल-टाइम ट्रैकिंग जैसी सुविधाएँ भी एक सरल संवादात्मक इंटरफेस के जरिए व्हाट्सऐप पर उपलब्ध होंगी।

नागरिक व्हाट्सऐप नंबर 95933 00009 को सेव करके और उस पर मैसेज भेजकर भू-मित्र सेवा का उपयोग कर सकते हैं। यह चैटबॉट साल के 365 दिन, चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा और हिंदी व अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में सहज संवाद की सुविधा प्रदान करेगा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि व्हाट्सऐप जैसे परिचित और व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले प्लेटफॉर्म पर महत्वपूर्ण राजस्व सेवाएँ उपलब्ध कराकर विभाग का उद्देश्य प्रशासनिक देरी को कम करना, कार्यालयों के अनावश्यक दौरे घटाना और नागरिकों को वास्तविक समय में जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें सशक्त बनाना है। द्विभाषी इंटरफेस यह सुनिश्चित करेगा कि यह सेवा समाज के सभी वर्गों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों तक भी आसानी से पहुंचे।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अगले सप्ताह से डीड रजिस्ट्रेशन सेवाओं से संबंधित सभी एसएमएस भी भू-मित्र प्लेटफॉर्म के माध्यम से भेजे जाएंगे, जिससे नागरिकों को समय-समय पर अपडेट और जानकारी सीधे चैटबॉट के जरिए मिल सकेगी।डॉ. मिश्रा ने बताया कि आने वाले हफ्तों में भू-मित्र प्लेटफॉर्म में और भी सेवाएँ जोड़ी जाएंगी, जिससे डिजिटल शासन को और मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को अधिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। यह पहल हरियाणा में पारदर्शी और तकनीक आधारित प्रशासनिक व्यवस्था को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

सोशल मीडिया मुझे कंट्रोल नहीं करता, मैं उसे कंट्रोल करता हूं

साल 2003 में 'फंटूश' फिल्म से अपने करियर की शुरूआत करने वाले इकबाल खान टीवी शो 'कैसा ये प्यार है' से हर घर में पहचाने जाने लगे। इन दिनों वह अपने नए शो 'हुई गुम...यादें- एक डॉक्टर दो जिंदगियां' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने इस नए सीरियल के अलावा अपने किरदार, करियर और बाकी चीजों के बारे में बात की। इकबाल खान ने यह भी बताया कि उन्होंने अपने अब तक के करियर में क्या कुछ बदलाव देखे। साथ ही किरदारों के सिलेक्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव के बारे में भी बात की।

छोटे पर्दे पर आपका एक लंबा सफर रहा है, क्या आज करियर में कुछ बदलाव देखते हैं?

मेरी पहली फिल्म आई थी 2003 में 'फंटूश', वहां से मेरा करियर शुरू हुआ था। उसके बाद 'कैसा ये प्यार है' शो ने मुझे अंगद के रूप में हर घर में पहचान दी थी। बदलाव तो जीवन का नियम है। मुझे लगता है कि मैं पहले से बेहतर ही हुआ हूं। जिंदगी में इंसान सीखने के लिए ही आता है। मैंने भी बहुत सीखा है।

आपको क्या लगता है, सोशल मीडिया ने किरदारों और कंटेंट चुनने पर भी असर डाला है?

मेरी जिंदगी में सोशल मीडिया मुझे कंट्रोल नहीं करता, मैं उसे कंट्रोल करता हूं। दूसरा, बीच में एक ऐसा वक्त आया था, जब सोशल मीडिया को लेकर बहुत सारी चीजें हो रही थीं, कास्टिंग वगैरह भी उसको देखकर होने लगी थी, लेकिन वो बड़े लेवल पर नहीं होता है। मुझे लगता है कि प्रमोशन के लिए सोशल मीडिया बहुत बढ़िया है। लेकिन आपका प्रोडक्ट कितना बढ़िया से चल रहा है, वो आप सोशल मीडिया से पता नहीं कर सकते। चाहे आप फिल्म ले लें या टीवी शोज ले लें, इन सबके दर्शक अलग-अलग होते हैं। सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया है, लेकिन पता नहीं आपके फॉलोअर्स क्या देखना पसंद करते हैं। क्या पता उनमें से कितने दर्शक टिकट खरीदकर फिल्म देखने जाते हैं।

आप पिता हैं तो कंटेंट चुनने को लेकर आपकी सोच में कितना बदलाव आया है?

क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, इस चुनाव को करने के लिए सब उतने खुशकिस्मत नहीं होते। मैं अपनी बात नहीं कर रहा। मैं इस मामले में कोई राय नहीं देना चाहता। बहुत सारे लोग कुछ भी काम कर रहे होते हैं, क्योंकि उन्हें अपना घर चलाना होता है, तो इस चीज में कुछ कहूंगा तो वो अच्छी बात नहीं लगेगी। ऊपर वाले ने मुझ पर बहुत रहम किया है, काम को लेकर मेरी जिंदगी में कभी कोई कमी नहीं रही। उतार-चढ़ाव जिंदगी का हिस्सा है, कोई ये नहीं कह सकता कि पिछले 23 साल में उसकी जिंदगी में मजे ही रहे हैं।

आप खाली वक्त में क्या कुछ करते हैं और उनकी प्लानिंग कैसे होती है?

एक परिवार वाला व्यक्ति क्या ही करेगा। जब बच्चे होते हैं तो उसे हर चीज उसे देखकर ही करनी होती है। मुझे अपने लिए कुछ खरीदने या करने का शौक नहीं है। ट्रैवलिंग के लिए 80 प्रतिशत प्लानिंग तो बीवी ही करती है, और उन्हें करनी भी चाहिए। अगर हमसे कोई गलती हो जाए तो गड़बड़ हो जाएगी। अगर बीवी करती है, तो गड़बड़ भी उसका ही माना जाएगा ।

अपने नए शो में आप डॉक्टर बने हैं। क्या है इसके पीछे की कहानी?

ये एक ऐसे डॉक्टर की कहानी है, जिसकी पिछले 8 साल की यादें खो जाती हैं। उससे पहले वो क्या था और बाद में वो क्या बन जाता है, पहले लोगों के साथ वह कैसा था, अब वो लोगों के साथ कैसा है, बहुत सारी ऐसी चीजें हैं, जो इस शो में दिखाई जाएंगी। रिलेशनशिप इंसान की जिंदगी में बहुत जरूरी चीज होती है, इस शो में भी रिलेशनशिप काफी मायने रखती है। इसकी बीवी, बच्चों, डॉक्टर्स और मरीजों के साथ कैसा रिश्ता है वो इसमें दिखाया जाएगा।

'धुरंधर 2' की दहाड़ से हिली 'डकैत' की जमीन; बदली अदिवि शेष-मृणाल की फिल्म की रिलीज डेट

फिल्म 'धुरंधर 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार आगामी 19 मार्च को पूरा हो रहा है। इसी दिन पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की 'डकैत' भी रिलीज होने वाली थी। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। सिनेमाघरों में 'धुरंधर 2' और 'डकैत' की भिड़ंत नहीं होगी। 'डकैत' के मेकर्स ने रिलीज से हफ्तेभर पहले तारीख बदल दी है। जानिए अब 'डकैत' कब दस्तक देगी?

दर्शकों को 'डकैत' के लिए करना होगा इंतजार

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'डकैत' के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। इसकी रिलीज डेट अगले महीने यानी अप्रैल में खिसका दी गई है। यह फिल्म अब 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अनुराग कश्यप भी होंगे फिल्म का हिस्सा

मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का आधिकारिक एलान किया। यह फिल्म अब 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। एक्टर अदिवी सेश ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी साझा की है। नई तारीख अनाउंस करते हुए अदिवि ने लिखा, 'गोल्डफिश 10 अप्रैल को। दुनिया भर के थिएटर्स में'। फिल्म में अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की राइटिंग पर भी काम किया है। इस फिल्म में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी अहम रोल में होंगे।

अब बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगा महाक्लैश

फिल्म 'डकैत' से पहले यश अभिनीत 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट में भी बदलाव किया गया है। पहले 'टॉक्सिक' भी 'धुरंधर 2' के साथ ही 19 मार्च को सिनेमाघरों में सजने वाली थी। मगर, 'टॉक्सिक' अब जून 2026 तक आगे बढ़ गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह अभिनीत 'धुरंधर 2' से 'टॉक्सिक' और 'डकैत' के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर दर्शकों की निगाह टिकी थी। मगर, अब यह टकराव नहीं होगा।

प्रियंका चोपड़ा ने बताई बॉलीवुड छोड़ने की वजह, ऐश्वर्या राय बच्चन और मिंडी कलिंग से मिली प्रेरणा

खराब माहौल में रहना पसंद नहीं करती। यह कहना है एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा का, जिन्होंने हाल ही में बताया कि आखिर उन्होंने बॉलीवुड छोड़कर हॉलीवुड का रुख क्यों किया। प्रियंका ने कहा कि वह भी ऐश्वर्या राय बच्चन और अमेरिकी अभिनेत्री मिंडी कलिंग की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना चाहती थीं और इसी वजह से उन्होंने नए मौके तलाशने का फैसला लिया। प्रियंका ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने महज 18 साल की उम्र में फिल्मों में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म तमिल भाषा की थी, जिसमें उनके साथ साउथ सुपरस्टार विजय नजर आए थे। प्रियंका ने बताया कि उस समय उन्हें पहली बार स्टारडम की असली ताकत देखने को मिली थी, जब विजय को देखने के लिए सेट पर भारी भीड़ जुट जाती थी।

प्रियंका के मुताबिक, करियर की शुरुआत में उन्हें लगता था कि फिल्म इंडस्ट्री का मतलब सिर्फ फेम और लोकप्रियता हासिल करना है। लेकिन समय के साथ उनका नजरिया बदला और उन्होंने समझा कि एक्टिंग सिर्फ शोहरत नहीं, बल्कि एक गंभीर कला भी है। उन्होंने कहा कि अब तक वह करीब 70 फिल्मों में काम कर चुकी हैं और हर प्रोजेक्ट से उन्हें नया अनुभव मिला है। एक्ट्रेस ने यह भी स्वीकार किया कि एक समय ऐसा आया जब उन्हें बॉलीवुड में खुद को सीमित महसूस होने लगा था। उन्हें लगा कि अगर वह एक ही जगह पर रुक गईं तो नए अवसर नहीं मिल पाएंगे। इसी सोच ने उन्हें हॉलीवुड में किस्मत आजमाने के लिए प्रेरित किया।

प्रियंका ने कहा कि उस दौर में अंतरराष्ट्रीय फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में भारतीय कलाकारों की मौजूदगी बहुत कम थी। हालांकि ऐश्वर्या राय बच्चन और मिंडी कलिंग जैसी हस्तियां ऐसी थीं जिन्होंने ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बनाई। प्रियंका के लिए यह उदाहरण प्रेरणा की तरह था कि भारतीय कलाकार भी दुनिया के मंच पर अपनी जगह बना सकते हैं। प्रियंका का मानना है कि जीवन में कई बार कठिन हालात आते हैं, लेकिन उन परिस्थितियों में फंसे रहना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर इंसान लंबे समय तक खराब माहौल में रहता है तो वह उसे सामान्य मानने लगता है, इसलिए समय रहते बदलाव करना जरूरी होता है। आज प्रियंका हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों में सक्रिय हैं और एक ग्लोबल स्टार के तौर पर अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं।

एक्टिंग से ब्रेक ले सकते हैं वरुण धवन!

फिल्म 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक्टर की अगली फिल्म भी जल्द रिलीज होने वाली है। मगर इससे पहले ही वरुण एक लंबे ब्रेक पर जा सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह तैयारी भी कर ली है कि वो इन फुरसत के पलों को कैसे बिताएंगे? 'बॉर्डर 2' की रिलीज के बाद लिया फैसला इस साल वरुण धवन की कई फिल्में रिलीज हुई हैं। साल के शुरुआत में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' में एक्टर को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद से ही उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा है। इसी बीच फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण जल्द ही एक्टिंग से लंबा ब्रेक लेने वाले हैं। इसके लिए उन्होंने काफी कुछ सोच रखा है।

परिवार और बेटी को समय देगें वरुण

रिपोर्ट के मुताबिक वरुण पहले 'बॉर्डर 2' की शूटिंग और फिर प्रमोशन में काफी व्यस्त थे। अब वो अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। एक्टर अपनी बेटी लारा के साथ रहना चाहते हैं। इसके चलते ही वो कुछ वक्त के लिए काम से दूरी बना सकते हैं। इस दौरान वह पूरी तरह से अपनी बेटी और परिवार को समय देंगे।

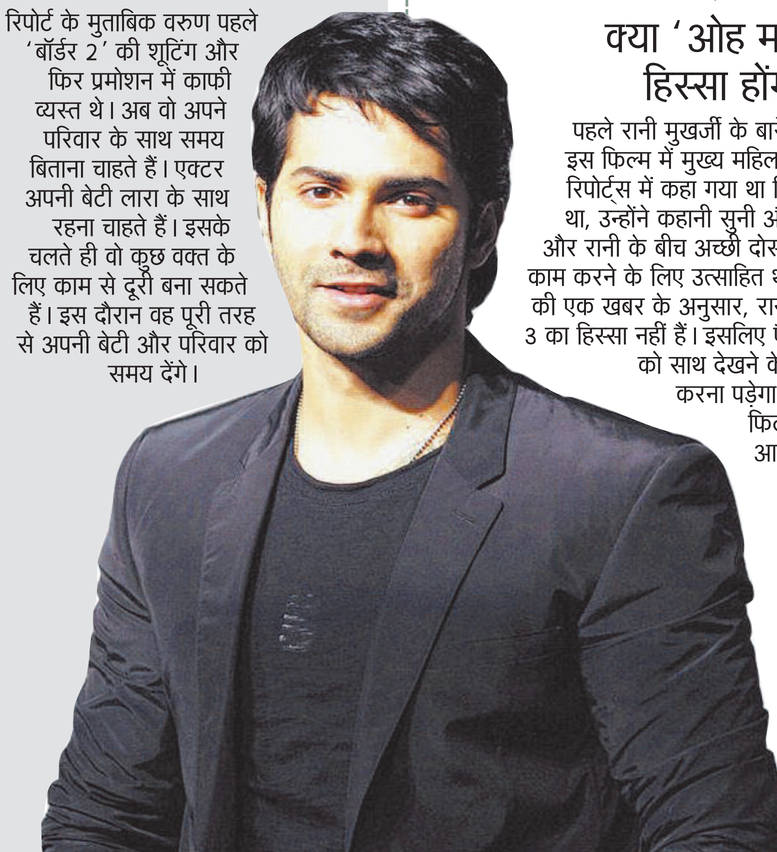

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का हुआ तलाक, चार साल में टूटी शादी

सेलेब्रिटीज के तलाक की लिस्ट में अब एक नाम अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का भी जुड़ गया है। हंसिका का पति सोहेल कथूरिया से तलाक हो गया है। काफी वक्त से उनकी शादी में दरार की खबरें आ रही थीं। अब इस पर मुहर लग गई है। मुंबई की बांद्रा कोर्ट ने हंसिका और सोहेल का तलाक फाइनल कर दिया है। दोनों की शादी सिर्फ चार साल तक ही चल सकी।

2022 में हुई थी शादी, आपसी सहमति से हुआ तलाक

हंसिका ने बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से 4 दिसंबर 2022 को धूमधाम से शादी की थी। मगर उनकी शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी। शादी के 3 साल बाद से ही उनकी मैरिड लाइफ में उथल-पुथल होने की खबरें आने लगी थीं। सोहेल की हंसिका के साथ ये दूसरी शादी थी। हंसिका की बेस्ट फ्रेंड रिंकी बजाज संग उन्होंने पहली शादी की थी। हालांकि, सोहेल और हंसिका के तलाक की मुख्य वजह अब तक सामने नहीं आई है। लेकिन उनकी शादी में दिक्कतें पिछले लगभग दो साल से बनी हुई हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों जुलाई 2024 से ही अलग रह रहे हैं। इस दरमियान घरवालों ने दोनों की शादी को बचाने का काफी प्रयास भी किया, लेकिन वो सफल नहीं हो सके। अंततः दोनों का तलाक हो गया। ये तलाक आपसी सहमति से हुआ है।

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की करियर की शुरुआत

हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। वो बच्चों के लोकप्रिय टीवी सीरियल 'शा का ला का बूम बूम' में भी नजर आई थीं। इसीसे उन्हें पहचान मिली। इसके बाद वो ऋतिक रोशन की 'कोई मिल गया' में भी बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट ही नजर आईं। बाद में उन्होंने 2007 में साउथ की फिल्म 'देसमुदुरु' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में वो अल्लू अर्जुन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म के लिए हंसिका को साउथ का बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था। इसके बाद वो कई अन्य साउथ की फिल्मों में भी नजर आईं। हंसिका को बॉलीवुड में पहचान हिमेश रेशमिया के साथ फिल्म 'आपका सुरूर' से मिली।

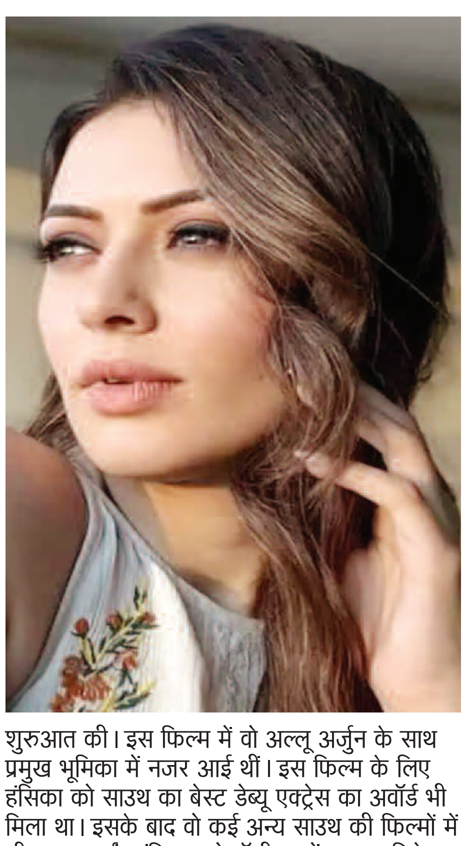

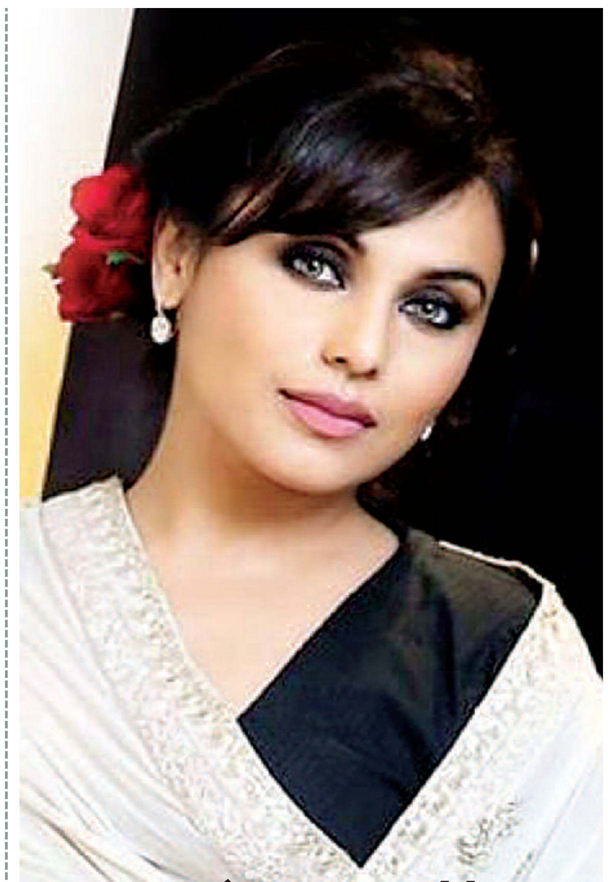

क्या 'ओह माय गॉड 3' में नजर आएंगी रानी मुखर्जी?

फिल्म 'ओह माय गॉड 3' में अक्षय कुमार एक नए किरदार में वापसी कर रहे हैं। वहीं फिल्म निर्माता कथित तौर पर मुख्य अभिनेत्री की तलाश में हैं। तो क्या इस फिल्म में रानी मुखर्जी को फाइनल नहीं किया गया है?

'ओह माय गॉड 3'

अक्षय कुमार 'ओह माय गॉड' की फ्रैंचाइजी में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'ओह माय गॉड 2 के बाद अब तीसरी फिल्म की नई कहानी तैयार हो रही है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी। अक्षय कुमार फिर से डायरेक्टर अमित राय के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की उम्मीद है। इसका अस्थायी नाम 'ओह माय गॉडेस' बताया जा रहा है।

क्या 'ओह माय गॉड 3' का हिस्सा होंगी रानी मुखर्जी

पहले रानी मुखर्जी के बारे में खबरें आई थीं कि वे इस फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाएंगी। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रानी को ऑफर मिला था, उन्होंने कहानी सुनी और इच्छुक भी थीं। अक्षय और रानी के बीच अच्छी दोस्ती है, इसलिए दोनों साथ काम करने के लिए उत्साहित थे, लेकिन वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, रानी मुखर्जी ओह माय गॉड 3 का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए फैंस को अक्षय और रानी को साथ देखने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। ओह माय गॉड 3- इस फिल्म में अक्षय कुमार नजर आएंगे, लेकिन अभिनेत्री की तलाश अभी भी जारी है। हाल ही में रानी मुखर्जी 'मर्दानी 3' में नजर आईं। इसमें उन्होंने पुलिस वाली भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 51 करोड़ रुपये की कमाई की। जानकारी के अनुसार, अब रानी अभिनेता शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आ सकती हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com